

# MONTHLY PROGRESS REPORT

August-September 2021

- 
- ✧ Accredited Grade by NAAC : A
  - ✧ NIRF Rank by the MoE : 58
  - ✧ Best University Rank by India Today : 27
  - ✧ QS India University Ranking : 81-85
- 



**KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL**

**Sleepy Hollow, Nainital-263001**

**Uttarakhand, India**

# MONTHLY PROGRESS REPORT

August-September 2021



# Index

S. No.	Title	Page No.
1.	<b>Major Achievements/ Awards</b>	
1.1	Achievement: Kumaun University got 58th position in pharmacy category in NIRF ranking	01 - 02
1.2	Achievement: Kumaun University got 27th position in India Today Ranking	03 - 04
1.3	Three new Australian innovation patents to Kumaun University	05 - 05
2.	<b>New Developments</b>	
2.1	Kumaun University has received recognition from the Bar Council of India for the five-year Integrated BA-LLB (Hons) course	06 - 06
2.2	The University implemented the proposals of UGC's quality mandate from the new session 2021-22	07 - 07
2.3	University is communicating directly with the students through online feedback	08 - 09
2.4	Students studying in Kumaun University will now be able to study the psychology of criminals	09 - 09
2.5	Kumaun University started 10 new professional and employable courses	10 - 10
3.	<b>Seminar/ Workshop Conducted</b>	
3.1	Orientation program organized for research students by Internal Quality Assurance Cell (IQAC)	11 - 12
3.2	Online workshop on Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity	12 - 13
3.3	National Webinar on National Education Policy 2020 - Educating India	14 - 14
4.	<b>Social Initiatives</b>	
4.1	The team of Kumaun University reached the adopted village Saud, made aware about the environment and Covid 19	15 - 16
4.2	Cleanliness drive launched in the administrative building of Kumaon University	16 - 17
5.	<b>Publications</b>	18 - 18
6.	<b>News Gallery</b>	19 - 24

# 1. Major Achievements/Awards

## 1.1 Achievement: Kumaun University got 58<sup>th</sup> position in pharmacy category in NIRF ranking

The Union Education Ministry has released the National Institutional Ranking Framework 2021 (NIRF 2021) list of higher educational institutions across the country. This time also Kumaun University has included its name in the top educational institutions of the country. This time the ranking has been released in Research, Overall, University, Management, College, Pharmacy, Medical, Engineering, Architecture, ARIIA (Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements) and Law categories. In which Kumaun University has got 58<sup>th</sup> position in pharmacy category.

On this achievement of the university, Vice Chancellor Prof. N.K. Joshi congratulated all the professors, staff and students and all the officers, teachers, employees and students have expressed happiness.

## एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊं विवि ने बाजी मारी

उपलब्धि

66 कुमाऊं विवि में शोध एवं शिक्षण का एक सामंजस्य बनाए

जैजीताल | संवाददाता

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के उच्च शैक्षिक संस्थानों की नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021 (एआईआरएफ) की सूची जारी कर दी है। विवि ने इस बार भी देश के सर्वोच्च शैक्षणिक संस्थानों में अपना नाम शामिल किया है। इस बार रिसर्च, ओवरऑल, यूनिवर्सिटी, मैनेजमेंट, कॉलेज, फार्मैसी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर व लॉ कैटेगरी में रैंकिंग जारी हुई है। इसमें कुवि वि को फार्मैसी कैटेगरी में 58वां स्थान प्राप्त हुआ है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से हर वर्ष नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग जारी की जाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग संस्थानों को टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इंक्यूसिविटी, परसेप्शन के आधार पर दी जाती है। कुमाऊं विवि ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए

जाने की पहल की जा रही है। रहे। विश्वास है कि विश्वविद्यालय समाज व देश की जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा, न केवल देश में बल्कि विश्व में भी अपनी अकादमिक उपलब्धियों के लिए पहचाना जाएगा।

- प्रो० एनके जोशी, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय

शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध व नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जहां प्लेसमेंट एंड काउंसिलिंग सेल का पुनर्गठन करते हुए छात्रहित में इनोवेशन एंड इन्व्यूबेशन सेंटर (नवोन्मेष व उद्भवन केंद्र) तथा कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन सेंटर (प्रतियोगी परीक्षा केंद्र) की भी स्थापना की है। वहीं अकादमिक व प्रशासनिक क्रियाकलापों में पारदर्शिता और गुणवत्ता लाने को विवि की ओर से ईआरपी सॉफ्टवेयर सिस्टम को विकसित किया गया है। विवि की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. एनके जोशी ने प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी है।

58

वां स्थान हासिल किया विश्वविद्यालय ने फार्मैसी कैटेगरी में

## उपलब्धि : एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊँ विवि को फार्मैसी कैटेगिरी में प्राप्त हुआ 58वां स्थान

आज समाचार सेवा

नैनीताल। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के उच्च शैक्षिक संस्थानों की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021 की लिस्ट जारी कर दी है। कुमाऊँ विश्वविद्यालय ने इस बार भी देश के सर्वोच्च शैक्षिक संस्थानों में अपना नाम शामिल किया है।

बता दें कि इस बार रिसर्च, ओवरऑल, यूनिवर्सिटी, मैनेजमेंट, कॉलेज, फार्मैसी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, एआरआईआईए (नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग) और लॉ कैटेगिरी में रैंकिंग जारी हुई है। जिसमें कुमाऊँ विश्वविद्यालय को फार्मैसी कैटेगिरी में 58वां स्थान प्राप्त हुआ है। काबिलेगौर है कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से हर वर्ष नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग जारी की जाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग संस्थानों को टीचिंग लर्निंग एंड



रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इंकल्यूसिविटी, परसेप्शन के आधार पर दी जाती है। ज्ञात हो कि कुलपति प्रो० एन०के० जोशी के कार्यभार सँभालने के पश्चात् से ही विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जहाँ प्लेसमेंट एंड काउंसिलिंग सेल का पुर्नगठन करते हुए छात्रहित में इन्वेषन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर

(नवोन्मेष व उद्भवन केंद्र) तथा कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन सेंटर (प्रतियोगी परीक्षा केंद्र) की भी स्थापना की है वहीं अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता लाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा ई०आर०पी० सॉफ्टवेयर सिस्टम को डेवेलप किया गया है।

इस बीच विवि की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. एनके जोशी द्वारा सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी एवं समस्त अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त किया है। मामले में कुलपति प्रो. जोशी ने कहा है कि हम प्रयासरत हैं कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षण का एक सामंजस्य बना रहे। यह मेरा विश्वास है कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय समाज व देश की जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा एवं न केवल देश में बल्कि विश्व में भी अपनी अकादमिक उपलब्धियों के लिए पहचाना जायेगा।

## सर्वोच्च शैक्षिक संस्थानों में कुविवि का नाम

शाह टाइम्स संवाददाता नैनीताल। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के उच्च शैक्षिक संस्थानों की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021 एनआईआरएफ

की अटल रैंकिंग) और लॉ कैटेगिरी में रैंकिंग जारी हुई है। जिसमें कुमाऊँ विश्वविद्यालय को फार्मैसी कैटेगिरी में 58वां स्थान प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से

कार्यभार सँभालने के पश्चात् से ही विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंत.

द्वारा जहाँ प्लेसमेंट एंड काउंसिलिंग सेल का पुर्नगठन करते हुए छात्रहित

गया। कुलपति प्रोफेसर एनके जोशी ने कहा कुमाऊँ विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षण का एक सामंजस्य बना रहे। यह मेरा विश्वास है कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय समाज व देश की जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा एवं न केवल देश में बल्कि विश्व में भी अपनी अकादमिक उपलब्धियों के लिए पहचाना जायेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में 58 वां प्राप्त करने पर सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि विश्वविद्यालय को सृजनात्मकता, उद्यमिता, नवाचार, शोध एवं अनुसंधान का महत्वपूर्ण केंद्र बनाया जा सके।

■ नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021

एनआईआरएफ 2021 की लिस्ट जारी

2021 की लिस्ट जारी कर दी है। कुमाऊँ विश्वविद्यालय ने इस बार भी देश के सर्वोच्च शैक्षणिक संस्थानों में अपना नाम सम्मिलित किया है। बता दें कि इस बार रिसर्च, ओवरऑल, यूनिवर्सिटी, मैनेजमेंट, कॉलेज, फार्मैसी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, एआरआईआईए (नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों

हर वर्ष नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग जारी की जाती है। एनआईआरएफ रैंकिंग संस्थानों को टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इंकल्यूसिविटी, परसेप्शन के आधार पर दी जाती है। कुलपति प्रो. एनके जोशी के



राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय

सिस्टम को डेवेलप किया गया है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. एनके जोशी द्वारा सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया

## 1.2 Achievement: Kumaun University got 27<sup>th</sup> position in India Today Ranking

Kumaun University has become one of the best educational institutions in India due to the change in the way Nainital works. Kuvivi has been ranked 27th in the survey conducted by India Today Group. The university has made the name of not only Nainital but also the state proud by getting 27th rank in the country. The India Today Ranking has awarded the university on the basis of academic reputation, global survey of employers and scholars, research citations and H-index. This ranking gives an idea of the global status of higher education and research.

This year has brought good signs for Kumaun University which was established in 1973. Since assuming the charge of Vice-Chancellor Prof. N.K. Joshi, the University is making every effort for excellence in academic quality, research and innovation to improve national

### कुमाऊं विवि देश के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में शामिल

इस बार विवि को फार्मेसी कैटेगिरी में 57वां, क्यूएस एशिया रैंकिंग में 551-600वां स्थान मिला

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में किये गए बदलाव के बाद यह देश के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा कराए गए सर्वे में कुविवि को 27वां स्थान मिला है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला कुमाऊं विश्व विद्यालय उत्तराखण्ड का एकमात्र संस्थान है।

विश्व विद्यालय के आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राजीव उपाध्याय ने बताया कि इंडिया टुडे रैंकिंग ने

अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता तथा विद्वानों के वैश्विक सर्वेक्षण, शोध एक्सिलेंस, करियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला की स्थिति, उपकरण, फैकल्टी, प्रशासनिक ढांचा समेत अन्य मानकों के आधार पर विश्वविद्यालय को सम्मानित किया है। यह रैंकिंग उच्च शिक्षा और अनुसंधान की राष्ट्रीय स्थिति की जानकारी देती है। इस बार उच्च शैक्षिक संस्थानों की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021 में कुमाऊं विश्वविद्यालय को फार्मेसी कैटेगिरी में 57वां स्थान प्राप्त हुआ है वहीं क्यूएस एशिया रैंकिंग में भी 551-600 स्थान मिला है। इसी के साथ बीसीआई की मान्यता के बाद वर्तमान सत्र से पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड (शेष पृष्ठ 6 पर)

and international rankings. The university has performed well even in the tough times of the Covid pandemic. Let us inform that this time, where Kumaun University has been ranked 58th in the pharmacy category in the National Institutional Ranking

Framework 2021 (NIRF 2021) of Higher Educational Institutions, it has also been ranked 551-600 in the QS Asia Ranking.

# कुमाऊं विवि को राष्ट्रीय स्तर पर 27वां स्थान

## उपलब्धि

### नैनीताल | संवाददाता

कुवि वि अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में बदलाव से उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। देश की एक नामी पत्रिका की ओर से कराए सर्वे में विवि को 27वां स्थान मिला है।

आइक्यूएसी के निदेशक प्रो राजीव उपाध्याय ने बताया कि पत्रिका की रैंकिंग ने अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता व विद्वानों के वैश्विक सर्वेक्षण, शोध एक्सिलेंस, करियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, समेत अन्य मानकों के आधार पर विवि को सम्मानित किया है। कुलपति प्रो एनके जोशी के नेतृत्व में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए

शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोविड महामारी के कठिन समय में भी विवि ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने खुशी व्यक्त कर कहा पत्रिका रैंकिंग में विवि को 27वां स्थान मिलना बेहद खुशी की बात है। विवि के मुख्य परीक्षा नियंत्रक प्रो. एचसीएस बिष्ट ने भी इस पर खुशी जताई।

BEST UNIVERSITY SURVEY  
BY



# UNIVERSITIES NATIONAL RANKING 2021

KUMAUN UNIVERSITY  
NAINITAL

**27<sup>th</sup>**  
**RANK**

### INDIA'S BEST UNIVERSITIES

### SCORES AND RANKS - GENERAL (GOVERNMENT)

OVER-ALL RANK 2021	OVER-ALL RANK 2020	UNIVERSITY	REPUTATION & GOVERNANCE	ACADEMIC & RESEARCH EXCELLENCE	INFRASTRUCTURE & LIVING EXPERIENCE	PERSONALITY & LEADERSHIP DEVELOPMENT	CAREER PROGRESSION & PLACEMENT	OBJECTIVE SCORE	PERCEPTUAL SCORE	OVERALL SCORE
			208	250	175	150	217	1,000	1,000	2,000
1	1	JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY, <i>New Delhi</i>	175.4	200.1	159.3	141.8	176.0	852.6	998.1	1,850.7
2	NP	UNIVERSITY OF DELHI, <i>New Delhi</i>	162.3	163.7	138.6	113.1	189.4	767.1	990.2	1,757.3
3	2	UNIVERSITY OF HYDERABAD, <i>Hyderabad</i>	174.3	170.4	152.3	121.1	148.5	766.6	980.6	1,747.2
27	27	KUMAUN UNIVERSITY, <i>Nainital</i> ←	114.2	115.2	106.6	65.1	106.6	507.7	646.4	1,154.1
28	29	PROFESSOR JAYASHANKAR TELANGANA STATE AGRICULTURAL UNIVERSITY, <i>Hyderabad</i>	102.1	145.2	129.9	92.3	140.4	609.9	523.2	1,133.1
29	30	VIDYASAGAR UNIVERSITY, <i>Midnapore</i>	132.6	140.4	104.4	65.8	120.1	563.3	559.9	1,123.2
30	NP	UNIVERSITY OF KOTA, <i>Kota</i>	88.6	60.1	65.3	0.5	10.4	224.9	605.0	829.9

[www.kunainital.ac.in](http://www.kunainital.ac.in)

### 1.3 Three new Australian innovation patents to Kumaun University

The Prof. Rajendra Singh Nanoscience and Nanotechnology Center operating under the Department of Chemistry in Kumaun University has added another achievement to the name of the university. The center has once again secured Australian innovation patents in the waste upcycling and nanotechnology fields. These patents have been granted to the center for making graphene from paper waste, graphene nanofibers from cotton waste and graphene from polymer waste for making high quality cement additives.

## कुविवि के नाम तीन नए ऑस्ट्रेलियन इनोवेशन पेटेंट

### उपलब्धि

नैनीताल | हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के तहत संचालित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह नैनो साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी सेंटर ने एक और उपलब्धि कुविवि के नाम जोड़ी है। सेंटर ने एक बार फिर वेस्ट अपसाइकलिंग और नैनो टेक्नोलॉजी क्षेत्र में तीन नए ऑस्ट्रेलियन इनोवेशन पेटेंट हासिल किए हैं। सेंटर प्रभारी प्रोफेसर नंद गोपाल साहू ने बताया कि यह तीन पेटेंट एप्लीकेसन्स पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया में फाइल किए गए थे।

इनकी उपयोगिता और इंडस्ट्रियल एप्लीकेसन्स को देखते हुए ऑस्ट्रेलियन बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यालय ने सेंटर को 8 वर्षों के लिए पेटेंट अनुमोदित कर दिए हैं। यह पेटेंट सेंटर को पेपर वेस्ट से ग्राफिन बनाने, कॉटन वेस्ट से ग्राफिन नैनो फाइबर बनाने और पॉलीमर वेस्ट से ग्राफिन बनाकर उच्च कोटि के सीमेंट एडिटिव बनाने के लिए दिए गए हैं। प्रो. नंद गोपाल साहू के नेतृत्व में उनकी नैनो सेंटर की टीम ने विशेष योगदान दिया है। सभी पेटेंट में प्रोफेसर नंद गोपाल साहू के नेतृत्व में डॉ. संदीप पांडे, डॉ. मनोज काराकोटी, डॉ. सुनील ढाली, नेहा कार्की, चेतनातिवारी, गौरव तरकारी व भास्कर सिंह बोहरा शामिल हैं।



## 2. New Developments

### 2.1 Kumaun University has received recognition from the Bar Council of India for the five-year Integrated BA-LLB (Hons) course

Last one month, the team of Bar Council of India had inspected 'Dr. Rajendra Prasad Law Institute' for the recognition of starting five-year Integrated BA-LLB course in Kumaun University. Due to the relentless efforts being made by the Vice Chancellor Prof NK Joshi for the last two months, the University has been recognized by the Bar Council of India for conducting BA-LLB course.

It is noteworthy that when the Almora campus was separated from Kumaun University to form Soban Singh Jeena University, then Law and B.Ed courses also got to Almora. But now admissions for BALLB (Hons) course have also started from the new session 2021-22 in Dr. Rajendraprasad Law College due to the great efforts of Vice-Chancellor Prof. Joshi.

सुविधा

इसी सत्र से विद्यार्थी कर सकेंगे पढ़ाई, विवि के अध्यापकों और कर्मचारियों को प्रति वर्ष ट्रेनिंग दी जाएगी

## कुमाऊं विवि में बीए एलएलबी पाठ्यक्रम को मान्यता

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से गत दिवस ही बीए एलएलबी पाठ्यक्रम चलाने की स्वीकृति मिल गई है। इसी सत्र (अक्टूबर) से यह पाठ्यक्रम नैनीताल में शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा मेडिकल शिक्षा के तीन और पांच रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इस बीच कुमाऊं विवि राज्य का पहला विवि बन गया है जिसने कोविड काल के बाद सभी परिणाम घोषित कर दिए हैं।

कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने डीएसबी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से अंतिम सेमेस्टर का परिणाम आते ही विद्यार्थियों की डिग्री तैयार कर उनके विभाग या घर भेज दी जाएगी। इसके लिए विद्यार्थियों को विवि के चक्कर नहीं लगाने होंगे। विवि के हर विभाग में एक स्मार्ट क्लास बनाई गई



नैनीताल में परिसर के सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण करते वीसी प्रो.एनके जोशी व अन्य। संवाद

है। इस बार से हर विभाग में लीडरशिप और कम्युनिकेशन स्किल कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे और नए विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम और चलाया जाएगा। उन्हें परिसर और विभाग संबंधी जानकारियां दी जाएंगी। विद्यार्थियों के लिए क्वॉलिटी मैनडेट कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। विवि के अध्यापकों और कर्मचारियों को भी प्रति वर्ष ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे पूर्व कुलपति ने परिसर में ध्वजारोहण किया और परिसर के सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, प्रो. एचसीएस बिष्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष विशाल वर्मा ने भी विचार रखे। संचालन प्रो. नीता बोरा शर्मा ने किया।

## 2.2 The University implemented the proposals of UGC's quality mandate from the new session 2021-22

A meeting was held with reference to the Higher Education Quality Improvement Program mandate in the administrative building of Kumaun University. Along with providing a new dimension to teaching and learning in higher educational institutions, the quality mandate has been prepared by the UGC to develop innovative skills and critical thinking in the students. The meeting was presided over by Hon'ble Vice Chancellor Prof. NK Joshi.

Hon'ble Vice Chancellor said that according to the guidelines of UGC, we have to start the proposals of quality mandate in our university from this session itself. A team has been formed for this. This team will work under the guidance of the Deans and Heads of Departments of the University.

**यूजीसी के क्वालिटी मॅंडेट के प्रस्तावों को कुविवि इसी सत्र से करेगा शुरु:कुलपति**

आज समाचार सेवा नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शुक्रवार को हायर एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम मॅंडेट के संदर्भ में कुलपति प्रो. एन.के. जोशी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों में टीचिंग एवं लर्निंग को नया आयाम प्रदान करने के साथ ही विद्यार्थियों में इनोवेटिव स्किल तथा क्रिटिकल थिंकिंग को विकसित करने हेतु यूजीसी द्वारा क्वालिटी मॅंडेट को तैयार करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में कुलपति प्रो० एन.के. जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु यूजीसी ने हायर एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम मॅंडेट को अपनाया है। इसका उद्देश्य एक बेहतर जीवन जीने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और नैतिकता से देश की अगली पीढ़ी को लैस करने के लिए उच्च शिक्षा प्रणाली को विकसित करना है। उन्होंने कहा इसके तहत ऐसे पाठ्यक्रमों के विकास की चर्चा की गयी है जिससे शिक्षण संस्थान व समाज का परस्पर जुड़ाव हो, विद्यार्थी सतत् विकास की प्रक्रिया को समझ सकें। कहा कि यूजीसी की गाइड लाईन के अनुरूप हमें क्वालिटी मॅंडेट के प्रस्तावों को कुमाऊँ विश्वविद्यालय में इसी सत्र से प्रारम्भ करना है। इस हेतु एक टीम बनाई गयी है। कहा कि विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्षों तथा विभागाध्यक्षों के दिशा-निर्देश में यह टीम कार्य करेगी। इस कार्यक्रम के सम्बन्ध में नोडल ऑफिसर प्रो० इंदु पाठक द्वारा शीघ्र ही विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।



## 2.3 University is communicating directly with the students through online feedback

The university administration has given an online feedback form to the students through the website to communicate directly with the students. Through which students are giving feedback of their teachers, lab-library and other administrative arrangements. Through this form, students are telling that how much their course has been covered? How do teachers communicate with students? What is the arrangement in the campus and department and whether lab-library facility is available or not.

# छात्र दे रहे हैं विवि की व्यवस्थाओं का फीडबैक

## ऑनलाइन फीडबैक के माध्यम से कुविवि विद्यार्थियों से कर रहा सीधा संवाद

पंकज कुमार

नैनीताल। कुमाऊं विवि ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद करने के लिए एक फीडबैक फार्म तैयार किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी शिक्षकों, लैब, लाइब्रेरी और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का फीडबैक दे रहे हैं। इस फार्म के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षकों के पढ़ाने की स्थिति, समयबद्धता, संवाद का तरीका, पाठ्यक्रम पूरा होने की स्थिति, प्रयोगशाला, पुस्तकों और प्रशासनिक व्यवस्था का फीडबैक कुविवि वेबसाइट पर उपलब्ध कराएंगे। साथ ही उस छात्र की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

विवि के अनुसार 200 से अधिक छात्र फीडबैक फार्म भर चुके हैं। अब विवि प्रशासन फीडबैक के आधार पर एक्शन प्लान तैयार करेगा। कुविवि प्रशासन का मानना है कि इससे जहां शिक्षक स्वमूल्यांकन कर सकेंगे, वहीं यह प्रक्रिया बेहतर शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाएगी। इससे विवि प्रशासन अध्ययन के वातावरण की गुणवत्ता को सुदृढ़ और समय पर कक्षाएं संचालित कर पाएगा। (संवाद)

कुविवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है फार्म नैनीताल। कुल बीस प्रश्न वाला यह फार्म कुविवि की वेबसाइट (www.kunainital.ac.in) पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इसमें विद्यार्थी अपना नाम, पाठ्यक्रम और सेमेस्टर भरने के बाद शिक्षक के नाम का चयन करेंगे। इसके बाद विभिन्न पैरामीटर पर उनकी रैंकिंग करेंगे। छात्रों को प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में पांच ऑप्शन (सामान्य से कम, सामान्य, अच्छा, बहुत अच्छा और श्रेष्ठ) में से सिर्फ एक को टिक करना है। ऑनलाइन फीडबैक फार्म में शिक्षक की कक्षा उपस्थिति, पढ़ाने का ढंग, विषय के उल्लेख में स्पष्टता एवं कैरियर के लक्ष्यों पर चर्चा जैसे विषय पर विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का आंकलन किया जाएगा



### कुछ इस तरह के सवाल किए हैं तैयार

■ उनका कोर्स कितना कवर हो गया है? ■ शिक्षकों का विद्यार्थियों के साथ संवाद कैसा है? ■ परिसर एवं विभाग में कैसी व्यवस्था है? ■ लैब व लाइब्रेरी की सुविधा मिल रही है या नहीं।

शिक्षण में गुणवत्ता सुधार एवं प्रभावी शिक्षण व्यवस्था के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत विद्यार्थी फीडबैक एक उपागम है। शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के साथ ही देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शामिल होने के लिए भी मूल्यांकन जैसी प्रक्रिया करवाना जरूरी है। उम्मीद है कि इससे विभागीय स्तर पर काफी सुधार होंगे।

- प्रो. एनके जोशी, कुलपति।



पोर्टल पर विद्यार्थियों की पहचान गुप्त रखी जाती है। फार्म जमा होने के बाद विद्यार्थी की पर्सनल डीटेल हटा दी जाती है और उसकी रेटिंग ही आगे जाती है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि विद्यार्थी निडर होकर सही रेटिंग दें, जिससे विवि के शैक्षिक माहौल में सुधार किया जा सके।

- दिनेश चंद्रा, कुलसचिव

This form containing twenty questions is available online on the website of the University.

The university administration believes that this system will give an opportunity to the teachers for self-evaluation, while this process will make the better education system effective. The university administration is confident that with its launch, while the quality of the study environment will be strengthened, classes will also be held on time.

#### **2.4 Students studying in Kumaun University will now be able to study the psychology of criminals**

Students studying in Kumaun University will study the psychology of criminals. Along with understanding psychology, you will also understand the methods of its treatment. For the first time in Uttarakhand, the course of criminology has started in the DSB Campus of Kumaun University.

Cases of involvement of juveniles, juveniles in criminal cases are increasing. Be it cases of theft and drugs or in other social evils or evils, cases of involvement of children are continuously coming to the fore. Children are involved in theft, dacoity, women crime but they do not know why they did it. Big criminals execute criminal conspiracy by making children pawns. Interest in Criminology courses is increasing in all countries of the world including America, UK and courses are also becoming popular.

On the basis of which psychological approach people involved in criminal activities commit crimes, this will be taught in Criminology. How to change this psychological attitude is covered in the course which is ready. Criminology and Forensic Science is the need of the day. Till now this course is not taught in any university in Uttarakhand.

## 2.5 Kumaun University started 10 new professional and employable courses

Efforts were initiated by Hon'ble Vice Chancellor Prof. Joshi to conduct professional and employable courses in the campuses and affiliated institutions only after assuming charge. This includes Bachelor of Fine Arts (BFA), PG Diploma in Cyber Security and Information System Security, B.Sc. Agriculture, M.Sc. Environmental Science, M.Sc. Agronomy, M.Sc. in Seed Science and Technology, M.Sc. in Soil Science, M.Sc. Bio Chemistry, M.Sc. Bio Informatics, B.Com. Financial Accounting, B.Com Taxation, BALLB (Hons.) etc. As a result, about 10,000 students have shown interest for admission in these courses. At present, about 80 professional courses are being conducted due to the efforts made at the university level.

# कुमाऊं विश्वविद्यालय ने शुरू किए चार रोजगारपरक कोर्स

**पंकज कुमार**

नैनीताल। प्रतिस्पर्धा के दौर में अब छात्रों का पारंपरिक विषयों से मोह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। भारत में युवा अब व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसी वजह से कुमाऊं विवि की ओर से इस वर्ष मास्टर ऑफ फाइनेंस (एमएफए), पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी, एमएससी बायोकेमिस्ट्री और एमएससी बायोइंफरमेटिक्स रोजगारपरक सर्टिफिकेट एवं डिग्री पाठ्यक्रम खोले गए हैं। विवि ने इन पाठ्यक्रमों में आवेदन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

कुमाऊं विवि के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि विवि स्तर से लगातार रोजगारपरक पाठ्यक्रम खोले जा रहे हैं। इस वर्ष डीएसबी परिसर नैनीताल में मास्टर ऑफ फाइनेंस (एमएफए), पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी जबकि जेसी बोस परिसर भीमताल के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में एमएससी बायोकेमिस्ट्री एमएससी बायोइंफरमेटिक्स कोर्स शुरू किए हैं। बता दें कि विवि रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शुरू कर रहा है। इसका लाभ अधिक छात्र ले सकें इसके लिए कुविवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी की ओर से पिछले वर्ष कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सीटों में बढ़ोतरी की गई थी।

### एमएससी बायोकेमिस्ट्री और एमएससी बायोइंफरमेटिक्स कोर्स शुरू डिग्री कॉलेजों को खोलने के बारे में कल होगा फैसला

**माई सिटी रिपोर्टर**

हल्द्वानी। राज्य के शासकीय और अशासकीय डिग्री कॉलेज जल्द खुलने की उम्मीद है। इस बारे में फैसला करने के लिए शासन ने 24 जुलाई को उच्चशिक्षा निदेशालय के अधिकारियों की बैठक बुलाई है। डिग्री कॉलेजों में भवन निर्माण से संबंधित डीपीसी को लेकर शासन में 23 जुलाई को बैठक होगी, इसके लिए उच्चशिक्षा निदेशक डॉ. कुमकुम रौतेला समेत अधिकारी देहरादून रवाना हो गए हैं।

बोर्ड का 12वीं की परीक्षाओं का रिजल्ट आने के बाद डिग्री कॉलेजों में नये सत्र 2021-22 में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होनी है। इसके अलावा कोरोना की वजह से बाधित विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं भी अब तक नहीं हो सकी हैं। इन सभी मुद्दों पर निर्णय करने के लिए 24 जुलाई को शासन में उच्चशिक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ ही प्रदेशभर के सभी विश्वविद्यालयों के

विश्वविद्यालय की ओर से कई स्व वित्त पोषित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। फिलहाल इस वर्ष चार रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। जल्द ही अन्य रोजगारपरक कोर्स शुरू करने के लिए विवि प्रयासरत है।

**- प्रो. एनके जोशी, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय।**

शासकीय और अशासकीय सभी डिग्री कॉलेजों को खोलने के विषय में 24 जुलाई को देहरादून में बैठक बुलाई गई है। इसके अलावा डिग्री और पीजी स्तर के कॉलेजों में प्राचार्यों के रिक्त पदों को भरने के लिए भी डीपीसी जल्द किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कोई भी डिग्री कॉलेज बिना प्राचार्य के नहीं रहेगा।

**- डॉ. धन सिंह रावत, उच्चशिक्षा मंत्री**

कुलपति की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक उच्चशिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में होगी। बैठक में निर्णय के बाद डिग्री कॉलेजों को खोलने की बात कही जा रही है।

## 3. Seminar/ Workshop Conducted

### 3.1 Orientation program organized for research students by Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of Kumaun University organized an orientation program for research students and cadets of NCC Naval and Army Wings. The orientation program was inaugurated by the Vice Chancellor, Prof. NK Joshi.

Encouraging the students, Vice Chancellor Prof. NK Joshi said that with great happiness, I extend my heartfelt wishes to all those students who have been present on this occasion and would also like to remember all the teachers and students who have worked for Kumaun University. Played an important role in construction and identification.

## नई प्रौद्योगिकियों से परिचित रहें

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**नैनीताल।** कुमाऊँ विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एसूरेंस सेल ( आइक्यूएसी ) द्वारा शोध छात्रों एवं एन सी सी नेवल एवं आर्मी विंग के कैडेट हेतु ओरिएंटेशन प्रोग्राम



का उद्घाटन कुलपति प्रो. एनके जोशी द्वारा किया गया। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कुलपति प्रो एन के जोशी ने कहा में उन सभी छात्रों को हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ जो इस अवसर पर उपस्थित हुए हैं साथ ही उन सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का भी स्मरण करना चाहूंगा, जिन्होंने कुमाऊँ विश्वविद्यालय के निर्माण व पहचान में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ विश्व.

विद्यालय अपनी विशिष्टता के चलते न सिर्फ देश के विभिन्न भागों से बल्कि विश्व के अलग-अलग देशों से छात्रों को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहा है। एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊँ विश्वविद्यालय को फार्मोसी कैटेगिरी में 58 वां स्थान, क्यू एस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 551-600 स्थान एवं देश के विश्व. विद्यालयों में 81-85 स्थान प्राप्त करना विशिष्ट रूप से प्रसन्नता का विषय है। निरंतर अकादमिक मान्यताओं के आधार पर नैक के मूल्यांकन में कुमाऊँ विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. श्री जोशी ने कहा कि यह समय आपके लिए एक परिवर्तन का समय है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त करने के बाद आपका छात्र जीवन एक प्रोफेशनल के जीवन के रूप में बदलेगा जो समाज को अपनी सेवाएं देगा। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप उच्च नैतिक आदर्शों का पालन करते हुए आने वाली नई प्रौद्योगिकियों से परिचित रहें। इस मौके पर निदेशक, जे सी बोस परिसर भीमताल प्रो पी सी कविदयाल, निदेशक इंटरनल क्वालिटी एसूरेंस सेल प्रो राजीव उपाध्याय, निदेशक यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज प्रो दिव्या उपाध्याय एवं डा. रितेश साह मौजूद थे।

Vice Chancellor Prof. Joshi said that this time is a time of change for you. After getting education from here your student life will change into that of a professional who will give his services to the society. I urge all of you to keep abreast of the upcoming new technologies while following high ethical standards and keep yourself ready to adopt and adapt to them and keep alive the art of lifelong learning.

### **3.2 Online workshop on Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity**

An online workshop on Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity was organized by the Innovation and Incubation Center of Kumaun University. The workshop was inaugurated by Vice Chancellor Prof. NK Joshi.

Vice Chancellor Prof. NK Joshi said that innovation and creation of intellectual property are very important for future growth prospects in India. Students should be encouraged to lay foundations of businesses that are sustainable and can contribute to the growth of the Indian economy in the long run, so that the country becomes self-reliant. We must step forward to enable new startups and businesses that value 'local', as well as have the potential to make a rich global impact.

Vice-Chancellor Prof. Joshi said that there is immense potential in agriculture, horticulture and flower production in the hills of Uttarakhand, from which economic and employment related problems can be overcome. He exhorted the students that they can start startups with positive ideas, the funds for registration and patent will be borne by the university.

Keynote speaker Prof. Manu Sharma of Punjab University said that teachers can bring positive thoughts in their students. The challenges of society can be overcome by research and

innovation, so we are in dire need of innovation. He said that the Innovation and Incubation Center provides an innovative platform to the students to develop their independent thinking in fulfilling their academic dreams and achieving life goals. Prof. Manu Sharma also informed about the startup proposal. At the end of the program question interaction session was also conducted. In which questions were asked by Joy Chouhan, Harsh Tiwari and Dr. Ketki Tara.

## भविष्य में विकास की संभावनाओं को इनोवेशन और बौद्धिक संपदा का सृजन महत्वपूर्ण: प्रो. जोशी

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा एन्ट्रेप्रेन्यूरशिप एंड इनोवेशन एज कैरियर अपॉर्चुनिटी विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विवि के कुलपति प्रो० एनके जोशी ने कहा कि भारत में भविष्य में विकास की संभावनाओं के लिए इनोवेशन और बौद्धिक संपदा का सृजन बेहद महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को इस तरह व्यवसायों की नींव रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो टिकाऊ हों और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में लंबे समय तक सहयोग कर सकें, ताकि देश आत्मनिर्भर हो। प्रो. जोशी ने कहा कि हमें नए स्टार्टअप्स और ऐसे व्यवसायों को सक्षम बनाने के लिए आगे आना चाहिए जो 'लोकल' यानी स्थानीयता को महत्व देते हैं, लेकिन समृद्ध रूप से वैश्विक प्रभाव बनाने की क्षमता रखते हैं। कुलपति प्रो० जोशी ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ों में कृषि, बागवानी व पुष्प उत्पादन में अत्यधिक संभावनाएं हैं जिनसे यहां की



आर्थिक और रोजगार संबंधित समस्याएं दूर की जा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह सकारात्मक विचारों के साथ स्टार्टअप प्रारंभ कर सकते हैं जिसके रजिस्ट्रेशन व पेटेंट के लिए धनराशि विवि की ओर से वहन की जाएगी। मुख्य वक्ता पंजाब विवि के प्रो० मनु शर्मा ने कहा कि शिक्षक अपने छात्रों में सकारात्मक विचार ला सकते हैं। कहा कि समाज की चुनौतियों को शोध व नवाचार से दूर किया जा सकता है। कहा कि हमें नवाचार की सख्त आवश्यकता है। प्रो० शर्मा ने स्टार्टअप प्रोजेक्ट की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न संवाद सेशन भी आयोजित किया गया

जिसमें हर्ष चौहान, हर्ष तिवारी व डॉ० केतकी तारा कुमाय्या द्वारा प्रश्न पूछे गए। कार्यक्रम के आरम्भ में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की निदेशक डॉ. सुषमा टम्टा ने सभी का स्वागत किया एवं सेंटर की गतिविधियों के सन्दर्भ में सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर छात्रों को अपने शैक्षणिक सपनों को पूरा करने और जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्वतंत्र सोच विकसित करने के लिए एक अभिनव मंच प्रदान करता है। संचालन प्रो० ललित तिवारी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ० हर्ष चौहान द्वारा किया गया। कार्यशाला में 176 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के आयोजन में विवि के कुलसचिव डॉ० दिनेश चंद्रा, डॉ० नीलू लोडियाल, डॉ० एम०सी० आर्य, डॉ० नंदन सिंह, डॉ० महेंद्र सिंह राणा, डॉ० सारिका जोशी, डॉ० प्रशान्त जोशी, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो० एल०एस० लोडियाल तथा डॉ० बी.एस. कालाकोटी आदि ने सहयोग एवं प्रतिभाग किया।



### **3.3 National Webinar on National Education Policy 2020 - Educating India**

National Webinar was organized by UGC-Human Resource Development Centre, Kumaun University on the topic "National Education Policy 2020: Educating India". The national webinar was inaugurated by Hon'ble Vice Chancellor Prof. NK Joshi. The chief guest of this program was Prof. Devaswaroop, Vice Chancellor of Dr. Bhimrao Ambedkar Law University, Jaipur. As the keynote speaker in the National Webinar, the former Vice Chancellor of MJP Rohilkhand University, Prof. Mohd. Muzammil was addressed.

Vice Chancellor Prof. NK Joshi said that a series of webinars and other programs are being organized across the country to commemorate the one year of NEP 2020. We all know that NEP 2020 which proposes to make a big change in Indian education is the third major policy initiative in the field of education after Indian independence. It is hoped that the policy will bring about the desired changes and quality growth in the education sector which are essential for the development and fulfillment of the objectives of our nation. NEP has been shown to catalyze major changes in the higher education sector and designed to almost revolutionize many long-standing practices. It has been hailed as a bold document that will touch upon many untouched parts of the mission of educating India. But its implementation will be a challenging journey for the next few years as it is bound to face resistance from few stakeholders and several institutional constraints. Academic administrators especially all teachers and scholars, and of course our students too, have to face these challenges with initiative and determination. The webinar has become very relevant in this context today because only after being fully aware of the intricacies of the new policy can we start participating in its success.

## 4. Social Initiatives

### 4.1 The team of Kumaun University reached the adopted village Saud, made aware about the environment and Covid 19

The team of the university visited Saud village adopted by Kumaun University under Unnat Bharat Abhiyan on Friday and took stock of the ongoing activities in the village. During this, a painting competition on the topic of corona awareness, environmental protection was organized in Government Secondary School, Saud, in which children participated enthusiastically.



Prof. Lalit Tiwari highlighted on human values, corona awareness and environmental protection. Coordinator Unnat Bharat Abhiyan by Dr. Neelu Lodhial and Dr. Sushma Tamta gave views on Corona awareness. Dr. Kapil Khulbe told about

the ill effects of polythene and the importance of plants. Dr. Deepakshi Joshi told the students that along with authority, we should also follow our duties.

In painting competition Hema Bisht got first, Babita Bisht second and Nitin Kumar got third prize, consolation prizes were given to seven students. Plants of cedar, mulberry, tejpata and walnut were also planted in the school with the help of the students. The program was supported by Principal Gudiya B Dayal and other teachers.

#### **4.2 Cleanliness drive launched in the administrative building of Kumaon University**

Under Project Amratam of Prof. Rajendra Singh Nanoscience and Nanotechnology Center of Kumaon University, a cleanliness drive was conducted in the administrative building of Kumaon University from 10 am. Vice Chancellor Prof. NK Joshi and Registrar Mr. Dinesh Chandra along with all the officers, professors and employees participated in the cleanliness campaign and also made them aware about cleanliness.

On this occasion Vice Chancellor Prof. NK Joshi said that cleanliness is of great importance in our life. We can avoid many serious diseases by keeping our surroundings clean. While praising the organizing department, he said that only through cleanliness we can fight the epidemic like corona.

In the cleanliness campaign by the students of Center of Nanoscience and Nanotechnology, the people present were also told about the use of toilets, good hand washing techniques, preventive health measures etc.

# नेक पहल: कुविवि के प्रशासनिक भवन में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

वीसी प्रो. जोशी बोले: स्वच्छता से ही हम कोरोना जैसी बीमारियों से पा सकते हैं निजात

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रो० राजेंद्र सिंह नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रोजेक्ट अमृतम के तहत शनिवार को कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विवि के कुलपति प्रो० एन०के० जोशी एवं कुलसचिव दिनेश चंद्रा द्वारा सभी अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग किया गया एवं साथ ही उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। इस विशेष मौके पर कुलपति प्रो० एन०के० जोशी ने कहा कि साफ-सफाई का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। हम अपने आस-पास सफाई रखकर कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।



उन्होंने आयोजक विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वच्छता से ही हम सभी कोरोना जैसी महमारी से लड़ सकते हैं। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य मकसद यह है कि शहर एवं विश्वविद्यालय के लोग सफाई के प्रति जागरूक हो एवं कचरे को जहां-तहां नहीं फेंक कर इसके लिए नियमित रूप से कूड़ेदान का प्रयोग करें जिससे शहर स्वच्छ और सुंदर दिखेगा। नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित लोगों को शौचालयों के उपयोग, अच्छे तरीके से हाथ धोने की तकनीक, निवारक स्वास्थ्य उपायों आदि के बारे में भी बताया गया। अभियान में अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ ही छात्र-छात्राओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया और संकल्प लिया कि आगे भी हम अपने घर एवं शहर को साफ सुथरा रखेंगे। इस अवसर पर प्रो० राजेंद्र सिंह नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रभारी प्रो० नन्द गोपाल साहू, परीक्षा नियंत्रक प्रो० हरीश चंद्र सिंह बिष्ट, डॉ० रितेश साह समेत अभिराम पंत, डा. मोहित सनवाल तथा राजेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

## स्वच्छता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर जोशी के नेतृत्व में प्रशासनिक भवन में चलाया सफाई अभियान

न्यूज प्रिन्ट संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी में स्वच्छता दिवस के मौके पर कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रो० राजेंद्र सिंह नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रोजेक्ट अमृतम के अंतर्गत कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में प्रातः 10 बजे से स्वच्छता अभियान कुलपति प्रो० एन०के० जोशी एवं कुलसचिव दिनेश चंद्रा के नेतृत्व में अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग किया गया एवं साथ ही उन्हें स्वच्छता हेतु जागरूक भी किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो० एन०के० जोशी ने कहा कि साफ-सफाई का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। हम अपने आस-पास सफाई रखकर कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि शहर एवं विश्वविद्यालय के लोग सफाई के प्रति जागरूक हो। एवं कचरे को जहां-तहां नहीं फेंक कर

इसके लिए डस्टबिन का प्रयोग करें जिससे शहर स्वच्छ और सुंदर दिखेगा। नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित लोगों को शौचालयों के उपयोग, अच्छे तरीके से हाथ धोने की तकनीक, निवारक स्वास्थ्य उपायों आदि के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर प्रो० राजेंद्र सिंह नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रभारी प्रो० नन्द गोपाल साहू, परीक्षा नियंत्रक प्रो०

एच सी एस बिष्ट, डॉ० रितेश साह, अभिराम पंत, मोहित सनवाल राजेंद्र

कुमार सहित छात्र छात्राएं शिक्षक कर्मचारी मौजूद थे।



### सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान निकाले 600 कट्टे कूड़े कचरे के

नैनीताल। स्वच्छता दिवस के और सर पर नैनीताल में विभिन्न संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से अलग-अलग दल बनाकर सरिया ताल नारायण नगर बारापत्थर खोब्यू आवागढ़ उंडी रोड तिब्बतन मार्केट केनेडी मार्ग पाती गधेरा हनुमानगढ़ टूटा पहाड़ पर संयुक्त अभियान चलाया गया। आज 18 सितंबर को नैनीताल स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य पर नैनीताल में विभिन्न संस्थाओं द्वारा एक रूप होकर एक महा सफाई अभियान का आयोजन किया गया जिसमें कुमाऊँ यूनिवर्सिटी जिला प्रशासन फाउंडेशन बुराश तिब्बती समुदाय एनसीसी एनएसएस कैडेट नर्सिंग कॉलेज त्रिवेणी जागृति नैनीताल नागरिक एसोसिएशन केन्ट बोर्ड तल्लीताल आदि समूह द्वारा मिलकर नैनीताल में लगभग 600 कट्टे कूड़ा साफकिया गया। अभियान में यूनिवर्सिटी जिला प्रशासन एस3 फाउंडेशन, बुराश तिब्बती समुदाय, एनसीसी एनएसएस कैडेट, नर्सिंग कॉलेज, त्रिवेणी जागृति, नैनीताल नागरिक एसोसिएशन, केन्ट बोर्ड तल्लीताल, द्वारा अलग-अलग स्थानों से लगभग 600 कट्टे कूड़ा साफकर निकाला गया। इस मौके पर सभी संस्थानों के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

## 5. Publications

- 5.1 Sharma A, Sharma P, Das P, Pande V, Sharma D (2021) Study on the sex-specific seasonality of fatty acid profiles in golden mahseer (*Tor putitora*) collected from lacustrine ecosystem of Indian Himalaya. *SKUAST Journal of Research*. 23 (1) (IF: 0.654)
- 5.2. Auley De, Tiwari A, Pande V, Sinha A (2021) Evolutionary trilogy of malaria, angiotensin II and hypertension: deeper insights and the way forward. *Journal of Human Hypertension's*. (IF: 2.433)
- 5.3 Sharma N, Sharma RK, Samant SS, Pande V, Khatri S (2019) Exposure of Mountain Ecosystem to Heavy Metal Assessed by Soil and Vegetable Analysis in Kullu Valley, Northern India" *The Journal of Toxicology and Health*.
- 5.4 प्रो. शिरीष मौर्य की 18 कविताओं के नेपाली अनुवाद नेपाल की प्रतिष्ठित ऑनलाइन साहित्यिक पत्रिका [sahityapost.com](http://sahityapost.com) में 18 कविताओं के नेपाली अनुवाद प्रकाशित ।
- 5.5 प्रो. शिरीष मौर्य का UGC Care listed पत्रिका 'बनास जन' (अंक 44) में आलोचनात्मक आलेख- 'कठिन दिनों के कवि बार-बार लौटकर आते हैं' प्रकाशित।
- 5.6 'बहुमत' पत्रिका (अंक-109) में हिन्दी के वरिष्ठ कवि कुमार अंबुज का शिरीष कुमार मौर्य की कविताओं पर लेख और शिरीष मौर्य की आत्मकथा शृंखला की कविताएं प्रकाशित।
- 5.7 डॉ. मेधा नैलवाल (अतिथि व्याख्याता) का UGC peerreviewed पत्रिका 'जर्नल ऑफ आचार्य नरेंद्र देव रिसर्च इंस्टीट्यूट' वाल्यूम-29 में लेख- 'मानस की स्तुतियाँ और नक्षत्र मण्डल संबंध' प्रकाशित
- 5.8 प्रो. चन्द्रकला रावत का केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा की 'पूर्वोत्तर शिक्षण सामग्री निर्माण परियोजना' के अन्तर्गत 'हिन्दी-कुमाउनी अध्येता कोश' प्रकाशित, जिसमें विषय विशेषज्ञ- कुमाउनी के रूप में कार्य किया।

## 6. News Gallery

### कुलाधिपति का मार्गदर्शन विवि के लिए गर्व का विषय: कुलपति

**नैनीताल।** कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने नवनियुक्त कुलाधिपति राज्यपाल गुरमीत सिंह का मार्गदर्शन विवि के लिए गर्व का विषय बताया है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के उत्तराखंड के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में बुधवार को कुलपति प्रो. जोशी भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि देहरादून स्थित राजभवन में आयोजित समारोह में कुलाधिपति सिंह को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरएस चौहान ने राज्यपाल पद की शपथ दिलाई। भारतीय सेना में उप प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त नए राज्यपाल को करीब 40 वर्ष की सेवा के दौरान कई अलंकरणों से नवाजा जा चुका है।

### ऑनलाइन के माध्यम से पाठ्यक्रम कराया पूरा : कुलपति

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विवि ने कोरोना काल में ऑनलाइन व इंटरनेट मीडिया के माध्यम से विभिन्न विषयों का कोर्स वर्क पूरा कर लिया है। विवि ने कोविड गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए परीक्षाएं संपादित करने के लिए प्राध्यापकों व अधिकारियों की विशेष टीम का गठन किया है। विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने जागरण से वार्ता में कहा कि विवि में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी उद्यमशील व व्यवसायी बनें, इसके लिए बने इनोवेशन एंड इनव्यूबेशन सेंटर के माध्यम से छात्रों को स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रतियोगी परीक्षा सेंटर के माध्यम से यूपीएससी, उत्तराखंड लोक सेवा आयोग, नेट बैंकिंग, सीडीएस आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी व पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।



कुलपति प्रो. एनके जोशी ● जागरण

# उपलब्धि : इंडिया टुडे रैंकिंग में कुमाऊं विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त हुआ 27वां स्थान

कुलपति प्रो.जोशी बोले: इस सफलता से मिली विवि को राष्ट्रीय पहचान

## आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में आए गुणवत्तापूर्ण बदलाव के चलते भारत के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। इंडिया टुडे ग्रुप की ओर से कराए गए सर्वे में कुविवि को 27वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने देश में 27वां स्थान प्राप्त कर ना केवल नैनीताल बल्कि राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है। आई0क्यू0ए0सी0 के निदेशक प्रो0 राजीव उपाध्याय को मानें तो इंडिया टुडे रैंकिंग ने अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता तथा विद्वानों के वैश्विक सर्वेक्षण, शोध एक्सीलेंस, करियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला की स्थिति, उपकरण, फैकल्टी, प्रशासनिक ढांचा समेत अन्य मानकों के आधार पर विश्वविद्यालय को सम्मानित किया है। यह रैंकिंग उच्च शिक्षा और अनुसंधान की राष्ट्रीय स्थिति का पता देती है। बता दें कि 1973 में स्थापित हुए कुमाऊं विवि के लिए यह वर्ष अच्छे संकेत लेकर आया है। विवि



शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोविड महामारी के कठिन समय में भी विश्वविद्यालय ने बेहतर प्रदर्शन किया है। बता दें कि इस बार जहाँ उच्च शैक्षिक संस्थानों की नैशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क- 2021 में कुमाऊं विश्वविद्यालय को फार्मसजी कैटेगिरी में 57वां स्थान प्राप्त हुआ है वहीं क्यूएस एशिया रैंकिंग में भी 551-600 स्थान मिला है। इसी के साथ बीसीआई की मान्यता के पश्चात् वतज्मान सत्र से पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-एलएलबी कोर्स भी विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ किया गया है।

के कुलपति प्रो0 एन0के0 जोशी के कार्यभार सँभालने के पश्चात् से ही विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए

इस उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो0 एन0के0 जोशी ने बधाई देते हुए कहा कि इस सफलता और राष्ट्रीय पहचान को हमारी प्रतिभाशाली फैकल्टी, समर्पित शोध विद्वानों, ईमानदार गैर-शिक्षण सहयोगियों के साथ-साथ हमारे उज्ज्वल छात्रों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप देखा जाना चाहिए। कुलपति प्रो0 जोशी ने कहा कि कई महीनों से कोविड-19 महामारी के दौरान विश्वविद्यालय को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद भी हमने इन रुकावटों का सामना करते हुए आगे कदम बढ़ाया। विश्वविद्यालय द्वारा शोध, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, क्वालिटी ऑफ एजुकेशन, बेहतर सुविधाएं देने व व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं एवं विश्वविद्यालय लगातार उच्च शिक्षा के शीर्ष केंद्र के रूप में उभरने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

## देश में कुमाऊं विवि को 27वां स्थान

नैनीताल। कुविवि अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों में आए गुणवत्तापूर्ण बदलाव के चलते भारत के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। इंडिया टुडे ग्रुप की ओर से कराए गए सर्वे में कुविवि को 27वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने देश में 27वां स्थान प्राप्त कर ना केवल नैनीताल बल्कि राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो.राजीव उपाध्याय ने बताया कि इंडिया टुडे रैंकिंग ने अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता तथा विद्वानों के वैश्विक सर्वेक्षण, शोध एक्सीलेंस, करियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला की स्थिति, उपकरण, फैकल्टी, प्रशासनिक ढांचा समेत अन्य मानकों के आधार पर विश्वविद्यालय को सम्मानित किया है। यह रैंकिंग उच्च शिक्षा और अनुसंधान की राष्ट्रीय

स्थिति का पता देती है। 1973 में स्थापित हुए कुमाऊं विवि के लिए ये



वर्ष अच्छे संकेत लेकर आया है। कुलपति प्रो.एनके जोशी के कार्यभार सँभालने के पश्चात् से ही विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि इस बार जहाँ उच्च शैक्षिक संस्थानों की नैशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2021 में कुमाऊं विवि को फार्मसजी कैटेगिरी में 57वां स्थान प्राप्त हुआ है वहीं

क्यूएस एशिया रैंकिंग में भी 551-600 स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर

कुलपति जोशी ने खुशी जताते हुए कहा कि इस सफलता और राष्ट्रीय पहचान को हमारी प्रतिभाशाली फैकल्टी, समर्पित शोध विद्वानों, ईमानदार गैर-शिक्षण सहयोगियों के साथ-साथ हमारे उज्ज्वल छात्रों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप देखा जाना चाहिए। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव दिनेश चन्द्रा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इंडिया टुडे रैंकिंग में विश्वविद्यालय को देश भर में 27वां स्थान मिलना बेहद खुशी की बात है। परीक्षा नियंत्रक प्रो.एचसीएस बिष्ट ने कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में लगातार शीर्ष विश्वविद्यालयों के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। हाल में किए गए सुधारात्मक प्रयासों का परिणाम अब दिखने लगा है।

## नैनीताल के डीएसबी परिसर में 4 से शुरु होगा विशेष छात्र प्रेरण कार्यक्रम

स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र करेंगे प्रतिभाग, 6 को वीसी करेंगे संबोधित

### आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबीपरिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विवि की ओर से यूजीसी गुणवत्ता अध्यादेश यूजीसी के निर्देशानुसार 4 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक एक सप्ताह का छात्र प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बता दें कि कार्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर के सभी छात्र छात्राओं की उपस्थिति यूजीसी नियमानुसार अनिवार्य है। टीम लीडर डॉ गीता तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 4 अक्टूबर को सुबह 11 बजे परिसर के ए एन सिंह हाल में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.देवेन्द्र सिंह बिष्ट समेत समस्त संकायाध्यक्ष एवं कुलसचिव

दिनेश चंद्रा की ओर संयुक्त रूप से किया जायेगा। कहा कि विवि के कुलपति प्रो. एन. के. जोशी 6 अक्टूबर (बुधवार) को कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को संबोधित करेंगे। डा.तिवारी के मुताबिक जो छात्र अभी तक पंजीकृत नहीं हुए हैं, वह 1 अक्टूबर 2021 को अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा रहा है। बताया कि इस दीक्षारंभ टीम के डॉ अनिल बिष्ट, डॉ अशोक कुमार, डॉ लज्जा भट्ट, डॉ संतोष उपाध्याय, डॉ पैनी जोशी, डॉ दीपशिखा जोशी, डॉ निधि वर्मा, डॉ ऋद्धि गिनवाल और अभिषेक द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है जबकि शोधछात्र भावना, कृष्णा, आभा, भास्कर, निर्मला, शीतल, गरिमा तथा दीपा के द्वारा भी कार्यक्रम में सहयोग किया जायेगा।

## उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार होगा

नैनीताल। कुमाऊं विवि के प्रशासनिक भवन में शुक्रवार को हायर एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम मैनेजमेंट के संदर्भ में एक बैठक आयोजित की गई। यूजीसी की ओर से उच्च शिक्षण संस्थानों में पठन-पाठन और विद्यार्थियों में इनोवेटिव स्किल व क्रिटिकल थिंकिंग को विकसित करने के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट को तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि यूजीसी की नई गाइडलाइन को इसी सत्र से विवि में प्रभावी किया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार के लिए यूजीसी ने हायर एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम मैनेजमेंट को अपनाया है। इसके लिए एक टीम बना दी गई है। विवि के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्षों के निर्देशों के क्रम में यह टीम कार्य करेगी। इसके लिए प्रो. इंदु पाठक को नोडल अधिकारी बनाया गया है।



# नई प्रौद्योगिकियों से परिचित रहें

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एसुरेंस सेल (आइक्यूएसी) द्वारा शोध छात्रों एवं एन सी सी नेवल एवं आर्मी विंग के कैंडेट हेतु ओरिएंटेशन प्रोग्राम



का उद्घाटन कुलपति प्रो. एनके जोशी द्वारा किया गया। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कुलपति प्रो एनके जोशी ने कहा मैं उन सभी छात्रों को हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ जो इस अवसर पर उपस्थित हुए हैं साथ ही उन सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का भी स्मरण करना चाहूँगा, जिन्होंने कुमाऊँ विश्वविद्यालय के निर्माण व पहचान में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ विश्व

विद्यालय अपनी विशिष्टता के चलते न सिर्फ देश के विभिन्न भागों से बल्कि विश्व के अलग-अलग देशों से छात्रों को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहा है। एनआईआरएफ रैंकिंग में कुमाऊँ विश्वविद्यालय को फार्मसी कैटेगिरी में 58 वां स्थान, क्यू एस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 551-600 स्थान एवं देश के विश्व. विद्यालयों में 81-85 स्थान प्राप्त करना विशिष्ट रूप से प्रसन्नता का विषय है। निरंतर अकादमिक मान्यताओं के आधार पर नैक के मूल्यांकन में कुमाऊँ विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. श्री जोशी ने कहा कि यह समय आपके लिए एक परिवर्तन का समय है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त करने के बाद आपका छात्र जीवन एक प्रोफेशनल के जीवन के रूप में बदलेगा जो समाज को अपनी सेवाएं देगा। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप उच्च नैतिक आदर्शों का पालन करते हुए आने वाली नई प्रौद्योगिकियों से परिचित रहें। इस मौके पर निदेशक, जे सी बोस परिसर भीमताल प्रो पी सी कविदयाल, निदेशक इंटरनल क्वालिटी एसुरेंस सेल प्रो राजीव उपाध्याय, निदेशक यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज प्रो दिव्या उपाध्याय एवं डा. रितेश साह मौजूद थे।

# कुमाऊँ विवि में मेडिकल लैब कोर्स शुरू होगा

पंकज कुमार

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय जल्द ही मेडिकल बायो टेक्नोलॉजी, मेडिकल लैब पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है।

विश्वविद्यालय ने सत्र 2020-21 में भी विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को शुरू किया था। कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस वर्ष से फाइन आर्ट, साइबर सिक्योरिटी, क्रीमोनोलॉजी में परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया है। मेडिकल बायो टेक्नोलॉजी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बायो मेडिकल साइंस में भी परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीटेक कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रम शुरू करने के भी प्रयास शुरू कर दिए हैं। आधुनिक दौर



मास्टर ऑफ फाइन आर्ट में प्रवेश शुरू

नैनीताल। डीएसबी परिसर में सत्र 2021-22 मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) पाठ्यक्रम किया जा रहा है। यह जानकारी दृश्य संकाय एवं चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष प्रो. एमएस मावाड़ी ने दी। प्रो. एमएस मावाड़ी ने कहा कि इच्छुक छात्र विवि के पोर्टल [www.kunainital.ac.in](http://www.kunainital.ac.in) पर आवेदन की सूचना प्राप्त कर सकते हैं। इस कोर्स में कुल 20 सीटें हैं, जबकि बीएफए पाठ्यक्रम में 40 सीटें हैं। इस कोर्स को पिछले वर्ष ही शुरू किया गया था।

में युवा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अधिक रुझान दिखा रहा है जिसके चलते विवि स्तर पर लगातार व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कहा कि युवाओं का रुझान देखते हुए पिछले बार कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाई गई थीं। (संवाद)

# पांच साल के फ्यूचर प्लान को लेकर प्रेजेंटेशन तैयार करें

## बोले कुलपति

नैनीताल | संवाददाता

कुमाऊं विवि मुख्यालय में विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी की अध्यक्षता में बुधवार को समस्त संकायाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में कुलपति प्रो. जोशी ने कहा कि सभी प्राध्यापक रिसर्च में कट एंड पेस्ट को बढ़ावा न दें। शोध के मौलिक होने संबंधी दावे का परीक्षण कराएं। उन्होंने सभी विभागों में पाठ्यक्रम, शोध, रिसर्च प्रोजेक्ट आदि की जानकारी ली। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक विभाग नए-पुराने कोर्स, सिलेबस, अनुदान, प्लेसमेंट, उपलब्धियों और 5 साल के फ्यूचर प्लान

## बैठक

- कुलपति ने समस्त संकायाध्यक्षों की बैठक में दिए निर्देश
- कहा, प्राध्यापक रिसर्च में कट एंड पेस्ट को बढ़ावा न दें

को सम्मिलित कर प्रेजेंटेशन तैयार करें। साथ ही रोजगारपरक शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करने और नवचार के लिए भी प्रयास करें। इस बीच जहां ऑनलाइन पढ़ाई के बारे में जानकारी ली गई। बैठक में निदेशक डीएसबी परिसर प्रो. एलएम जोशी, निदेशक जेसी बोस परिसर प्रो. पीसी कविदयाल, प्रो. अतुल जोशी, प्रो. एससी सती, प्रो. संजय पंत, प्रो. एमएस मावडी, प्रो. आरके पांडे, डॉ. अर्चना नेगी साह आदि रहे।

## स्वतंत्रता के लिये अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीदों को किया नमन

न्यूज प्रिन्ट संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी में 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसपी परिसर में कुलपति प्रो एन के जोशी ने ध्वजारोहण कर समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कुलपति जोशी ने कहा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर सर्वोच्च त्याग और बलिदान देने वाले सभी अमर शहीदों को नमन एवं पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा टीचिंग एवं लर्निंग की गुणवत्ता में सुधार हेतु यूजीसी के हायर एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम में डेट को इस सत्र से लागू किया जायेगा। जहाँ नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक सप्ताह का इंडक्शन प्रोग्राम होगा वहीं फैकल्टी एवं स्टाफ डेवलपमेंट प्रोग्राम भी आयोजित किया जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षिक सत्र 2021-22



से आरम्भ हो रहे नए पाठ्यक्रमों एवं भावी योजनाओं के बारे में भी प्रकाश डाला। ध्वजारोहण कार्यक्रम में

कुलपति ने 5 यूके नेवल यूनिट एनसीसी एवं 79 बटालियन आर्मी द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी भी ली। कार्यक्रम का सञ्चालन मुख्य शास्ता प्रो० नीता बोरा शर्मा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं जयघोष से हुआ। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कला संकाय प्रांगण के सौंदर्यकरण का भी उद्घाटन किया गया। समारोह में निदेशक डी एस बी परिसर प्रो एलएम जोशी, परीक्षा नियंत्रक प्रो एच सी एस बिष्ट, सभी संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, सब-लेफ्टीनेंट डॉ रितेश साह के अलावा शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद थे।

# कुमाऊंनी भाषा, बोली और संस्कृति केंद्र स्थापित होगा

कुमाऊं विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद और कार्य परिषद से मिली स्वीकृति

पंकज कुमार

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अब विवि में ही कुमाऊंनी भाषा और बोली व संस्कृति की जानकारी मिलेगी। विश्वविद्यालय में कुमाऊंनी भाषा, बोली और संस्कृति संरक्षण केंद्र की स्थापना के लिए विवि की अकादमिक परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति मिल गई है। विश्वविद्यालय स्तर से वित्तीय मदद के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी को प्रस्ताव भेजा गया है।

कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि कुमाऊंनी भाषा और बोली व संस्कृति संरक्षण केंद्र की



प्रो. एनके जोशी

स्थापना के लिए सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही विश्वविद्यालय में केंद्र की स्थापना कर दी जाएगी। इस केंद्र के खुलने से लोक कला, कुमाऊंनी भाषा और बोली, संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे।

इसके अलावा भाषा अध्ययन, संकलन, प्रकाशन और अनुवाद का कार्य भी होगा। कुमाऊं भाषा और बोली के साथ ही उत्तराखंड की लोक कलाकृतियों के संरक्षण एवं लोक कलाओं के संवर्धन का कार्य भी किया जा सकेगा।

कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि उत्तराखंड के पर्वों को भी पाठ्यक्रमों में शामिल करने की पहल की जा रही है।

शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी को भेजा प्रस्ताव

## प्रतियोगिताएं कराकर भाषा का किया जाएगा प्रचार-प्रसार

नैनीताल। कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि केंद्र स्थापित होने के बाद कुमाऊंनी भाषा और बोली के प्रचार-प्रसार के लिए कुमाऊंनी में वाद-विवाद, निबंध लेखन और साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएंगी। साथ ही केंद्र की ओर से समय-समय पर लोक संस्कृति से जुड़े स्थानीय साहित्यकारों को सम्मान और प्रोत्साहन दिया जाएगा।